

बस रूट्स में सुधार पर मांगे सुझाव

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में बसों के नए रूट्स को लेकर साइंटिफिक स्टडी की जा रही है और नजफगढ़ में पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू होने वाला है। दिल्ली सरकार ने बस रूट्स में सुधार को लेकर आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर जाकर फीडबैक फॉर्म फिल किया जा सकता है। सरकार ने बस रूट्स को लेकर एक्सप्रेस सर्विस, एसी सर्विस, नॉन एसी सर्विस, नाइट बस सर्विस में सुधार के बारे में लोगों की राय मांगी है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि लोगों के सुझावों को साइंटिफिक स्टडी में शामिल किया जाएगा और रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर नजफगढ़ में नए रूट्स शुरू करने का फैसला किया है। पायलट प्रोजेक्ट में नजफगढ़ के आसपास के एरिया के लिए 70 बसें चलाने का फैसला किया गया है। डीटीसी

की जा रही है स्टडी..



- सरकार करवा रही है बस रूट्स पर साइंटिफिक स्टडी
- डीटीसी नजफगढ़ प्रोजेक्ट्स के लिए 70 बसों के रूट्स की डिटेल्स देगा

को कहा गया है कि जल्द से जल्द इन 70 बसों के रूट्स फाइनल किए जाएं ताकि इस प्रोजेक्ट को लॉन्च किया जा सके। नजफगढ़ और आसपास के दिल्ली देहात में बसों के रूट्स का प्रपोजल तैयार किया है। सरकार ग्रामीण इलाकों में सुपर ट्रंक और फीडर रूट्स का खाका तैयार कर रही है। मिनी बसों को भी चलाए जाने की योजना है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक डिम्ड्स अगले एक हफ्ते

में मिनी बसों के क्लस्टर को लेकर अपनी रिपोर्ट देगा और बताएगा कि दिल्ली में कितनी मिनी बसों की जरूरत है। एसटीए ऑपरेटर एकता मंच के प्रवक्ता श्यामलाल गोला का कहना है कि मिनी बसों को लेकर सरकार का यह प्रपोजल बहुत अहम है, क्योंकि दिल्ली में मिनी बसों की बहुत जरूरत है। बस ऑपरेटर्स पहले भी कई बार सरकार से कह चुके हैं कि मिनी बसों का पूरा प्लान तैयार कर इन सों को दिल्ली में छोटी सड़कों पर चलाया जाए ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा सके। नजफगढ़ प्लान में सरकार ने 20 सुपर ट्रंक और फीडर रूट्स का प्रपोजल बनाया है। नजफगढ़ के आसपास मेट्रो स्टेशनों को भी बस रूट्स से जोड़ा जाएगा। लास्ट माइल कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए बसों का प्रपोजल तैयार किया गया है। दिल्ली सरकार के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि ये रूट्स हाई प्रीक्वेंसी वाले होंगे और लोगों को 3 से 5 मिनट में पब्लिक ट्रांसपोर्ट मुहैया करवाने का टारगेट फिक्स किया गया है।